

कब्र पूजा – मूर्खता है या अंधविश्वास



आज के समाचार पत्रों में देश के प्रधानमंत्री मोदीजी द्वारा अजमेर में दरगाह शरीफ पर चादर चढ़ाने के लिए बीजेपी के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नक़वी को अजमेर भेजने एवं उसके साथ अपना पैगाम भेजने का समाचार छपा है।

पूर्व में भी बॉलीवुड का कोई प्रसिद्ध अभिनेता अभिनेत्री अथवा क्रिकेट के खिलाड़ी अथवा राजनेता चादर चढ़ाकर अपनी फिल्म को सुपर हिट करने की अथवा आने वाले मैच में जीत की अथवा आने वाले चुनावों में जीत की दुआ मांगता रहा है। भारत की नामी गिरामी हस्तियों के दुआ मांगने से साधारण जनमानस में एक भेड़चालसी आरंभ हो गयी है की अजमेर में दुआ मांगे से बरकत हो जाएगी, किसी की नौकरी लग जाएगी, किसी के यहाँ पर लड़का पैदा हो जायेगा, किसीका कारोबार नहीं चल रहा हो तो वह चल जायेगा, किसी का विवाह नहीं हो रहा हो तो वह हो जायेगा।

कुछ सवाल हमें अपने दिमाग पर जोर डालने को मजबूर कर रहे हैं जैसे की यह गरीब नवाज़ कौन थे? कहाँ से आये थे? इन्होंने हिंदुस्तान में क्या किया और इनकी कब्र पर चादर चढ़ाने से हमें सफलता कैसे प्राप्त होती है?

गरीब नवाज़ भारत में लूटपाट करने वाले, हिन्दू मंदिरों का विध्वंस करने वाले, भारत के अंतिम हिन्दू राजा पृथ्वी राज चौहान को हराने वाले वज्रदस्ती इस्लाम में धर्म परिवर्तन करने वाले मुहम्मद गौरी के साथ भारत में शांति का पैगाम लेकर आये थे। पहले वे दिल्ली के पास आकर रुके फिर अजमेर जाते हुए उन्होंने करीब 700 हिन्दुओं को इस्लाम में दीक्षित किया और अजमेर में वे जिस स्थान पर रुके उस स्थान पर तत्कालीन हिन्दू राजा पृथ्वीराज चौहान का राज्य था।

ख्वाजा अपने खादिमों के साथ अजमेर स्थित आनासागर झील पर पहुंचे और उन्होंने एक गाय को मारकर उसका कबाब बनाकर खाया। कुछ खादिम पनसिला झील पर चले गए कुछ आनासागर झील पर ही रह गए। उस समय दोनों झीलों के किनारे करीब 1000 हिन्दू मंदिर थे, हिन्दू ब्राह्मणों ने मुसलमानों के वहां पर आने का विरोध किया।

भारत में स्थान स्थान पर स्थित कब्रें उन मुसलमानों की हैं जो भारत पर आक्रमण करने आये थे और हमारे वीर हिन्दू पूर्वजों ने उन्हें अपनी तलवारों से परलोक पहुंचा दिया था।

कुछ सामान्य से 10 प्रश्न हम पाठकों से पूछना चाहेंगे?

1. क्या एक कब्र जिसमें मुर्दे की लाश मिट्टी में बदल चुकी है वो किसी की मनोकामना पूरी कर सकती है?
2. सभी कब्रें उन मुसलमानों की हैं जो हमारे पूर्वजों से लड़ते हुए मारे गए थे, उनकी कब्रों पर जाकर मन्नत मांगना क्या उन वीर पूर्वजों का अपमान नहीं है जिन्होंने अपने प्राण धर्म रक्षा करते की बलि वेदी पर समर्पित कर दिये थे?

3. क्या हिन्दुओ के राम, कृष्ण अथवा 33कोटि देवीदेवता शक्तिहीन हो चुके है जो मुसलमानों की कब्रों पर सर पटकने के लिए जाना आवश्यक है ?
4. जब गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कहाँ हैं की कर्मकरने से ही सफलता प्राप्त होती हैं तो मजारों मेंदुआ मांगने से क्या हासिल होगा ?
5. भला किसी मुस्लिम देश में वीर शिवाजी,महाराणा प्रताप, हरी सिंह नलवा आदि वीरो कीस्मृति में कोई स्मारक आदि बनाकर उन्हें पूजाजाता है तो भला हमारे ही देश पर आक्रमण करनेवालो की कब्र पर हम क्यों शीश झुकाते है ?
6. क्या संसार में इससे बड़ी मूर्खता का प्रमाणआपको मिल सकता है ?
- 7.. हिन्दू जाति कौन सी ऐसी अध्यात्मिक प्रगति मुसलमानों की कब्रों की पूजा कर प्राप्त कर रही हैजिसका वर्णन पहले से ही हमारे वेदों- उपनिषदोंआदि में नहीं है ?
8. कब्र पूजा को हिन्दू मुस्लिम एकता की मिसालऔर सेकुलरता की निशानी बताना हिन्दुओ को अँधेरे में रखना नहीं तो ओर क्या है ?
9. इतिहास की पुस्तकों के गौरी – गजनी का नाम तो आता है जिन्होंने हिन्दुओ को हरा दिया था, पर मुसलमानों को हराने वाले राजा सोहेल देव का नाम तक न मिलना, क्या हिन्दुओं की हमेशा ही पराजय होती रही, ऐसी मानसिकता को बना कर उनमें आत्मविश्वास और स्वाभिमान की भावना को कम करने के समान नहीं है ?
10. क्या हिन्दू फिर एक बार 24 हिन्दू राजाओं की भांति मिल कर संगठित होकर देश पर आये संकट जैसे कि आंतकवाद, जबरन धर्म परिवर्तन,नक्सलवाद,लव जिहाद, बंगलादेशी मुसलमानों की घुसपैठ आदि का मुंहतोड़ जवाब नहीं दे सकते ?

आशा है इस लेख को पढ़ कर आपकी बुद्धि में कुछ प्रकाश हुआ होगा।यदि आप आर्य राजा राम और कृष्ण जी महाराज की संतान हैं तो तत्काल इस मूर्खता पूर्ण अंधविश्वास को छोड़ दें और अन्य हिन्दुओं को भी इस बारे में जागरुक करें।

(लेखक धार्मिक व ऐतिहासिक विषयों पर शोधपूर्ण लेख लिखते हैं)

